

प्रेषक,

कुँवर सिंह
अपर साचिव
उत्तरांचल शासन

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तरांचल पेयजल निगम,
देहरादून।

पेयजल अनुभाग :

देहरादून दिनांक 8 सितम्बर, 2004

विषय जनपद अल्मोड़ा में चौखुटिया पुनर्गठन पेयजल योजना के लिए वर्ष 2004-05 में व्यय की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या 1420/उन्तीस-04-2(3पे0)/2002 दिनांक 29 जून, 2004 के द्वारा जनपद अल्मोड़ा के अन्तर्गत चौखुटिया पुनर्गठन पेयजल योजना की ₹0 113.05 लाख (₹0 एक करोड़ तेरह लाख पाँच हजार मात्र) की लागत के आगणन पर प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी थी जिसके क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उक्त योजना पर चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में व्यय हेतु ₹0 25,00,000 (₹0 पच्चीस लाख मात्र) की धनराशि आपके निर्वतन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2 स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक उत्तरांचल पेयजल निगम के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी देहरादून के प्रतिहस्ताक्षरित बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत करके यथा आवश्यकतानुसार ही आहरित की जायेगी एवं आहरण से सम्बन्धित याचचर एवं दिनांक की सूचना आहरण के तुरन्त बाद शासन एवं महालेखाकार को तत्काल उपलब्ध करायी जायेगी।

3- स्वीकृत धनराशि उसी योजना पर व्यय की जायेगी जिसके लिये स्वीकृति प्रदान की जा रही है। योजनान्तर्गत व्यय उन्हीं मदों पर किया जायेगा जिनका उल्लेख प्राक्कलन में किया गया है। एक मद की धनराशि दूसरे मद में कदापि व्यय न किया जाय।

4- स्वीकृत धनराशि का उपयोग प्रत्येक दशा में दिनांक 31 मार्च 2005 तक किया जाना सुनिश्चित करके कार्य की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र श्री शासन को उपलब्ध करा दिया जायेगा। निर्धारित समय से धनराशि का उपयोग न होने की दशा में सम्बन्धित अधिशासी अभियंता का व्यक्तिगत उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा। पूर्व स्वीकृत समस्त धनराशि का उपयोग करने के बाद उक्त विवरण उपलब्ध कराने के उपरान्त ही आगामी किश्त अवमुक्त की जायेगी।

क्रमशः 2.

5- व्यय के सम्बन्ध में शेष शर्तें उपरोक्त संदर्भित शासनादेश दिनांक 29 जून 2004 के अनुसार यथावत् रहेंगी ।

6- कार्यों में सैटेज चार्ज वर्तमान में प्रचलित शासकीय दर से नियमानुसार ही लिया जायेगा जो कि किसी भी दशा में 12.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा । यदि इससे अधिक सैटेज चार्ज लिया जाना पाया जाता है तो सम्बन्धित के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी

7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में अनुदान सं०-13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215-जलपूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-आयोजनागत -102-ग्रामीण जलपूर्ति कार्यक्रम -03-ग्रामीण पेयजल राज्य सैक्टर-00-20 -सहायक अनुदान / अशदान/राज सहायता" के नामे डाला जायेगा ।

8- यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय संख्या-1070/वि०अनु०-3/ 2004 दिनांक 14 सितम्बर, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय



(कुंवर सिंह)

अपर सचिव

संख्या-¹⁴²⁰(1)/उत्तीस/04/02-(03पे०)/2003 तददिनांक

प्रतिलिपि- निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून ।
- 2- आयुक्त, कुमायूँ मण्डल नैनीताल ।
- 3- जिलाधिकारी देहरादून/अल्मोड़ा
- 4- वरिष्ठ कोषाधिकारी देहरादून ।
- 5- मुख्य अभियंता, उत्तरांचल पेयजल निगम (कुमायूँ) नैनीताल ।
- 6- मुख्य महाप्रबन्धक उत्तरांचल जलसंस्थान, देहरादून ।
- 7- वित्त अनुभाग-3/ वित्त बजट सैल/नियोजन अनुभाग ।
- 8- निजी सचिव मा० मुख्य मंत्री जी ।
- 9- निदेशक एन०आई०सी० सचिवालय परिसर, देहरादून ।

आज्ञा से



(कुंवर सिंह)

अपर सचिव